बाबा मुक्तानन्द की समयातीत सिखावनियाँ

परिचय

श्रीगुरु के शब्द मन्त्र हैं। यह एक 'शिवसूत्र' है जिसे सिद्धयोग पथ पर प्रायः ही सिखाया जाता रहा है और श्रीगुरु की सिखावनियों का अध्ययन आरम्भ करने से पूर्व इस सूत्र को समझना अत्यन्त आवश्यक है। इतना ही नहीं, वर्ष २०२६ में सिद्धयोगी व नए साधक अब तक जो अध्ययन करते आए हैं, विशेषकर 'श्रीगुरुमाई के वचनों पर ध्यान' व 'स्वामी मुक्तानन्द के वचनों पर ध्यान' के माध्यम से, उनके अध्ययन का आधार यही सिद्धान्त रहा है।

मई माह के दौरान—जो बाबा मुक्तानन्द के जन्मदिवस का माह है—आपके पास एक और अवसर होगा, बाबा जी की सिखावनियों पर चिन्तन-मनन करने का, और उनके शब्दों में निहित शक्ति को उजागर करने, उस पर खोज करने व उस शक्ति की अनुभूति करने का। हर सप्ताह, सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर बाबा जी की एक सिखावनी पोस्ट की जाएगी, और साथ ही उस सिखावनी पर एक व्याख्या भी होगी। ये व्याख्याएँ सिद्धयोग पथ के अनुभवी विद्वानों व लेखकों द्वारा लिखित हैं जो संस्कृत भाषा, भारतीय शास्त्रों व सिद्धयोग की सिखावनियों के अपने ज्ञान के आधार पर उस सिखावनी के एक या अधिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं।

© २०२६ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।